आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
गुरुवार 02.10.2025
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- केंद्र सरकार ने वर्ष 2025 से 2031 तक के लिए 11 हजार 440 करोड़ रुपये के दलहन आत्मनिर्भरता मिशन को मंजूरी दी।
- मंत्रिमंडल ने केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते और पेंशनभोगियों की महंगाई राहत में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी की।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के 52 नगर निकायों में 115 शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर शुरू किए।
- दशहरा पर्व के मद्देनज़र आज दोपहर बारह बजे से देहरादून में परेड ग्राउंड और आसपास का क्षेत्र जीरो जोन रहेगा।
- "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार" अभियान के तहत प्रदेशभर में आयोजित रक्तदान शिविरों में अब तक 66 हजार से अधिक लोगों ने ई–रक्तकोष पोर्टल पर स्वैच्छिक रक्तदान के लिए पंजीकरण कराया।

<u>मंत्रिमंडल मंजूरी</u>

मंत्रिमंडल ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई राहत में तीन प्रतिशत वृद्धि को मंजूरी दी है। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली में बताया कि इससे केंद्र सरकार के लगभग 49 लाख बीस हजार कर्मचारियों और 68 लाख 70 हजार पेंशनभोगियों को लाभ होगा। यह बढोतरी इस वर्ष पहली जुलाई से प्रभावी होगी।

मंत्रिमंडल की आर्थिक कार्य की समिति ने देश भर में पांच हजार 862 करोड़ रुपये से अधिक के परिव्यय से 57 नए केंद्रीय विद्यालय खोलने को मंजूरी दी है। श्री वैष्णव ने कहा कि इससे 87 हज़ार विदयार्थियों को लाभ होगा और शिक्षकों के 4 हजार 600 अतिरिक्त पद सृजित होंगे।

मंत्रिमंडल ने दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन को भी मंजूरी दे दी है। श्री वैष्णव ने बताया कि यह मिशन 2025–26 से 2030–31 तक छह वर्षों की अवधि के लिए है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि 57 नए केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच बढ़ाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन को मंजूरी दी है।

लोकार्पण

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य सेवक सदन में शहरी विकास से जुड़ी कई महत्वाकांक्षी योजनाओं का लोकार्पण किया। इस दौरान प्रदेश के 52 नगर निकायों में 115 शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर शुरू किए गए। स्ट्रीट वेंडर्स के लिए वृहत पंजीकरण अभियान और अंगीकार 2.0 लॉन्च किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत पन्द्रह हजार छह सौ नए आवासों का लोकार्पण भी किया गया।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2024–25 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नगर निकायों को अटल निर्मल नगर पुरस्कार 2025 प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 244 नए वाहनों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य, स्वच्छता और आवास की दिशा में ठोस सुधार होंगे और आम नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा।

गांधी जयंती/शास्त्री जयंती

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गांधी जयंती पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि गांधी जी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं। अंग्रेजी शासन से देश को आजाद कराने में गांधी जी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि अहिंसा और मानवता के प्रति करूणा का भाव जागृत करना ही गांधी जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें भी नमन किया। उन्होंने कहा कि शास्त्री जी ने 'जय जवान जय किसान' का नारा देकर राष्ट्र को स्वाभिमान और एकजुटता से खड़े होने की दिशा दिखाई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शास्त्री जी का सादगीपूर्ण और समर्पित जीवन देश की युवापीढ़ी के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

दशहरा

बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दशहरा पर्व आज पूरे प्रदेश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। दशहरा उत्सव को लेकर राजधानी देहरादून में सुरक्षा व्यवस्था चाक–चौबंद रहेगी। परेड ग्राउंड और आसपास के क्षेत्र को जीरो जोन घोषित किया गया है। आज दोपहर 12 बजे से परेड ग्राउंड में वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। सभी बाजारों और चौराहों के पास पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। बन्नू बिरादरी दशहरा कमेटी की ओर से आयोजित 78वें दशहरा महापर्व में रावण का 121 फुट ऊंचा पुतला, मेघनाथ और कुंभकरण के 70 से 75 फुट ऊंचे पुतले तथा एशिया की सबसे बड़ी लंका तैयार की गई है।

शोभायात्रा दोपहर 2 बजे कालिका मंदिर से शुरू होगी और विभिन्न मार्गों से होते हुए परेड ग्राउंड पहुंचेगी। यहां शाम 5 बजे लंका, मेघनाथ और कुंभकरण का दहन होगा तथा शाम छह बजे रावण दहन होगा।

कार्यक्रम स्थल पर बैरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरों और अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुतला दहन के बाद भीड़ के प्रबंधन और भगदड़ रोकने के लिए विशेष ध्यान रखने को कहा गया है। दशहरा के शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व अधर्म पर धर्म, असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि इस पर्व की प्रेरणा से हम सभी अपने भीतर की बुराइयों को त्यागकर जीवन में सदाचार और सच्चाई की राह अपनाएं।

रक्तदान शिविर

"स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार" अभियान के तहत प्रदेशभर में आयोजित रक्तदान शिविरों में अब तक 66 हजार 878 लोगों ने ई–रक्तकोष पोर्टल पर स्वैच्छिक रक्तदान के लिए पंजीकरण कराया है। इनमें से आठ हजार सात सौ से अधिक लोगों ने रक्तदान भी किया।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि 17 सितंबर से शुरू हुए इस अभियान में राज्यभर के मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल, उप जिला अस्पताल, संयुक्त अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में स्वास्थ्य और रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि रक्तदान शिविरों से रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित होने के साथ ही समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ रही है।

विकास

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि प्रदेश में विकास के कार्य तेजी के साथ किये जा रहे हैं। चंपावत में विभिन्न रामलीला मंचन कार्यक्रमों को वर्चुअल संबोधित करते हुए श्री धामी ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन आदर्शों और धर्मपालन का प्रतीक है। इस दौरान श्री धामी ने चंपावत जिले में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी भी दी।

उद्घाटन

ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. पी. चन्द्र शेखर ने केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की में देश के पहले थ्री–डी कंक्रीट प्रिंटेड ग्रामीण आवास का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह तकनीक सुरक्षित, मजबूत और टिकाऊ घर उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम है।

डॉ. शेखर ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण के अंतर्गत अब तक तीन करोड़ पचासी लाख मकान स्वीकृत हुए हैं और दो करोड़ सतासी लाख का निर्माण पूरा हो चुका हैं। योजना से ग्रामीण परिवारों की आय में 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और 72 प्रतिशत घर महिलाओं के नाम पर हैं, जिससे महिला सशक्तिकरण को मजबूती मिली है।

केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि संस्थान ने 250 क्षेत्र–विशिष्ट आपदा–रोधी आवासीय डिज़ाइन तैयार किए हैं। इसके साथ ही कम लागत वाली मजबूती तकनीक और दो–गड्ढा शौचालय प्रणाली जैसे नवाचारों से करोड़ों ग्रामीण परिवारों को स्वच्छ जीवन मिला ळें